सीतामढ़ी के बाद राज्य का दूसरा ओडीएफ जिला बना शेखपुरा

श्रवण कुमार ने किया स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2018 का शुभारंभ, 1 से 31 अगस्त के बीच केंद्रीय टीम करेगी हर जिले के 10 गांवों का सर्वेक्षण, 2 अक्टूबर को आएगा रिजल्ट

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

सीतामढ़ी के बाद शेखपुरा सूबे का दूसरा ऐसा जिला है, जिसे ओडीएफ घोषित किया गया है। जल्द ही रोहतास, नालंदा, मुंगेर और खगड़िया भी खुले में शौच से मुक्त होंगे। ये बातें ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने गुरुवार को कहीं। वे अधिवेशन भवन में स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2018 का उद्घाटन कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सूबे में जब लोहिया स्वच्छता मिशन शुरू हुआ था, उस वक्त सूबे में शौचालय का कवरेज मात्र 22 फीसदी था, जो अब बढ़कर 61.43 फीसदी हो चुका है। अभी तक 65 लाख शौचालयों का निर्माण हो चुका है। 55 लाख शौचालय का और निर्माण किया जाना है, जिसे 2019 के पहले पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों के व्यवहार में परिवर्तन कराना बड़ी चुनौती है, जिसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि खुले में शौच के कारण होने वाली बीमारियों से भारी मात्रा में जन और धन की हानि होती है।

जिलों को मिलेगा पुरस्कार

विभाग के सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान केंद्रीय सरकार द्वारा नामित स्वतंत्र एजेंसी सर्वे करेगी। हर जिले के 10 गावों का सर्वे किया जाना है। यह सर्वे 1 से 31 अगस्त तक चलेगा, जिसके तहत स्कूल, आंगनबाड़ी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बाजार, और धार्मिक स्थलों के आसपास स्वच्छता की स्थिति का केंद्रीय टीम मौके पर मुआयना करेगी। 2 अक्टूबर को इसका रिजल्ट आएगा, जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद जिला समन्यवकों को लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया।

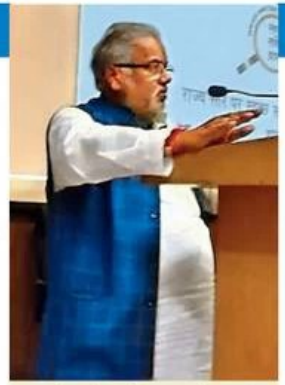

समारोह को संबोधित करते ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार।

2 अक्टूबर तक का लक्ष्य

लोहिया स्वच्छता मिशन के मिशन डायरेक्टर बालामुरुगनन डी ने कहा कि पूरे राज्य में शौचालय का निर्माण तेजी से चल रहा है। उन्होंने जिला समन्वयकों को आईएमआईएस को तेजी से अपडेट करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2 अक्टूबर 2019 तक पूरे सूबे को खुले में शौच से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे पहले ही पूरा कर लिया जाएगा। इस मौके पर मिशन के राज्य समन्वयक राजीव कुमार, सुमन लाल कर्ण, यूनिसेफ के प्रभाकर, उप विकास आयुक्त, पटना जिला के मुखिया, पंचायत प्रतिनिधि और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान से जुड़े कर्मी मौजूद थे।

क्या है स्वच्छता सर्वेक्षण

सर्वेक्षण के तहत पूरे देश के 698 जिलों के 6980 गांवों के 34,900 सार्वजनिक स्थलों का सर्वे किया जाएगा। इस दौरान 50 लाख लोगों से फीडबैक लिया जाएगा। पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा नामित स्वतंत्र सर्वे एजेंसी जिलों में जाकर सर्वे करेगी। सर्वेक्षण 100 अंकों का होगा, इसके आधार पर जिलों और राज्यों की रैंकिंग की जाएगी।